हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, सोमवार 23 मार्च 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

24 को सभी आंगनवाड़ियों में आयोजित होगा विद्यारंभ कार्यक्रम

मण्डला। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले के समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों में 24 मार्च को विद्यारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। परियोजना अधिकारी कार्यालय महिला एवं बाल विकास द्वारा मिली जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा से जोड़ते हुए उनके शैक्षणिक जीवन की औपचारिक शुरुआत करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्रों पर नामांकित बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रोत्साहनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। स्थानीय स्तर पर सरपंच, वार्ड पार्षद आदि को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा।

महाप्रबंधक द्वारा मौके का किया गया निरीक्षण

मण्डला। रविवार को म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की परियोजना क्रियान्वयन इकाई मण्डला के महाप्रबंधक द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित कालपी पिपरिया रोड से भैंसवाही मार्ग पर चैनज 1080 स्थित पुलिया पर हुआ। उक्त सड़क का निर्माण कार्य 31 जनवरी 2020 को पूर्ण हुआ था और ठेकेदार की संधारण गारंटी अवधि 30 मई 2025 तक थी। बताया गया कि मार्ग के आगामी 5 वर्षों के संधारण के लिए प्रस्ताव नवंबर 2025 में भेजा गया था, जिसे तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति भी मिल चुकी है। हालांकि, वर्तमान में निविदा प्रक्रिया जारी है और वित्तीय निविदा खोली जाना बाकी है।

उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा के प्रति बढ़ा लोगों का उत्साह

28 एवं 29 मार्च को होगा बड़ा आयोजन

*** प्रतिदिन विभिन्न प्रदेशों के लोग कर रहे परिक्रमा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा को लेकर नगर में जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा है ज्ञात हो कि चैत्र माह में उत्तरवाहिनी परिक्रमा करने का पुराणों में उल्लेख है जो नर्मदा भक्त अपने ग्रहस्थ जीवन में रहते हुये पारिवारिक दायित्वों के चलते पूरी नर्मदा परिक्रमा करने का समय नहीं निकाल पाता उनके लिये यह बहुत ही स्वर्णिम अवसर होता है कि वह उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा करके पूर्ण परिक्रमा का लाभ उठा सकता है।

आगामी 28 एवं 29 मार्च को सामूहिक परिक्रमा का एक बड़ा आयोजन होने जा रहा है इसमें मण्डला जिले के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी शामिल हो रहे हैं इसके लिये पंजीयन प्रारंभ हो गया है जो भी श्रद्धालु परिक्रमा में जाना चाहते हैं वे ग्रुप में अथवा समिति सदस्यों को फोन कर अपना पंजीयन करा सकते हैं इसके अलावा गौंड़ी पब्लिक ट्रस्ट स्थित कलादीर्घा में भी जाकर पंजीयन कर सकते हैं।

जो भी श्रद्धालु परिक्रमा में जा रहे हैं उन्हें कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना है परिक्रमा मार्ग में कहीं भी प्लास्टिक एवं डिस्पोजल का उपयोग नहीं करना है, अपने साथ एक पानी की बोतल, एक गिलास और एक थाली, थाली यदि खण्ड वाली हो तो ज्यादा उचित है। दो दिन की परिक्रमा में जो भी बाल भोग एवं भोजन हमें ग्रहण करना है वह हम अपने ही पात्र में ग्रहण करेंगे। साथ ही 02 चादर और एक जोड़ी पहनने के कपड़े साथ में लेकर आये दवाईयाँ यदि ले रहे हैं तो उसे भी साथ में रखें, गर्मी से बचने टोपी एवं गमछा लेकर चले माँ नर्मदा का जल रखने के लिये एक छोटा पात्र एवं दण्ड अवश्य लें क्योंकि दण्ड एवं कमण्डल के बिना परिक्रमा स्वीकार नहीं होती। परिक्रमा मार्ग में अनावश्यक वार्तालाप के स्थान पर अपने ईष्ट का नाम जप करते चलें और जहां भी जो सामग्री नर्मदा भक्तों द्वारा आपको प्रदान की जाती है उसे सम्मान पूर्वक ग्रहण करें और रास्ते में कहीं भी गंदगी न करें अपने अनुशासन से क्षेत्र के लोगों को भी प्रेरणा लेने के लिये प्रेरित करें। तट परिवर्तन के दौरान अनावश्यक जल्दबाजी दिखाना दुर्घटना का कारण बन सकता है नाव में जब बैठें तो लाइफ जैकेट पहनकर ही बैठें तट पार करते समय सावधानी बरतना ही हम सबके लिये लाभदायक और आवश्यक है। परिक्रमा के दूसरे दिवस 29 मार्च को जब परिक्रमावासी उत्तर तट पर होंगे यानि कि बबैहा से जब परिक्रमावासी मण्डला की ओर आयेंगे तो विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि यह मार्ग जबलपुर-रायपुर हाइवे मार्ग है यहां पूरे समय छोटे-बड़े वाहन चलते रहते है लिहाजा हमें अपनी सुरक्षा के साथ-साथ अपने साथ चल रहे अन्य श्रद्धालुओं की भी सुरक्षा करनी है। विशेष रूप से परिक्रमा के दौरान हाइवे पर दाहिनी ओर से एक के पीछे एक चले इससे सामने से आने वाला वाहन आपको नजर आयेगा आप सड़क के बिल्कुल किनारे से चलेंगे तो न तो किसी तरह की दुर्घटना की कोई आशंका होगी और न ही आवागमन प्रभावित होगा हाइवे पर अनावश्यक भीड़ लगाना हम सबके लिये खतरनाक हो सकता है। लिहाजा इस मार्ग पर अत्यंत सावधानी से चलना होगा।

जर्जर पुलिया से गिरी बाइक, 4 युवकों की मौत

*** सीमेंट पाइप से टकराने से तोड़ा दम, लोग बोले- लापरवाही से गई जानें।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के बीजाडांडी थाना क्षेत्र में शनिवार रात सड़क हादसे में चार बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। हादसा भैंसवाही और टिकराटोला के बीच एक जर्जर पुलिया से गिरने के कारण हुआ।

स्थानीय लोगों ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यह पुलिया पिछली बरसात में टूट गई थी, लेकिन इसका निर्माण या मरम्मत अब तक नहीं कराई गई।

हादसे के समय पुलिया के दोनों ओर न तो बैरिकेडिंग की गई थी और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। अंधेरे में तेज रफ्तार बाइक सवार युवक पुलिया से नीचे गिर गए। वे नीचे रखे सीमेंट पाइप से टकरा गए, जिससे चारों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान प्रमोद कुमार नरेती (24), संतलाल उइके (23), शिवम यादव (17) और गंगाराम उइके (22) के रूप में हुई है। रविवार को बीजाडांडी स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। भैंसवाही निवासी नन्ने सिंह परस्ते ने बताया कि पुलिया टूटने के बाद कई बार शिकायतें की गईं, जिसमें 181 हेल्पलाइन पर भी सूचना देना शामिल है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने ही आवागमन के लिए अस्थायी रास्ता बनाया था।

टिकराटोला निवासी अनिल धुर्वे ने भी हादसे को विभागीय लापरवाही का परिणाम बताया है। उन्होंने जल्द से जल्द पुलिया की मरम्मत की मांग की है। इस मामले में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग की जीएम उषा चौधरी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा वित्तीय साक्षरता जागरूकता का आयोजन

मण्डला। ब्लॉक नारायणगंज में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के निर्देशानुसार 20 मार्च क़ो 'वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना और सुरक्षित बैंकिंग के प्रति जागरूक करना है। इसी कड़ी में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया मंडला के सहयोग से CFL सेंटर निवास के ब्लॉक नारायणगंज में समर्पित संस्था के द्वारा एक विशेष पहल की गई है। नुक्कड़ नृत्य के माध्यम से वित्तीय जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के लिए कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया। नृत्य के माध्यम से ग्रामीणों और ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग, धोखाधड़ी से बचाव और बैंकिंग योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। जिससे लोगों क़ो बैंकिंग से जुड़ी सुविधाओं का सीधा फायदा होगा और बैंकिंग व्यवहारों में बढ़ोत्तरी होगी CFL ऑफिस इंचार्ज देवेंद्र मिश्रा, ब्लॉक कॉर्डिनेटर प्रवीण राय , सुनील मोंगरे, जॉनसन जॉय और नुक्कड़ नाटक की टोली सभी लोगों की उपस्थिति में आज का वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का समापन किया गया कार्यक्रम में लगभग 500 लोगों ने भाग लिया।

कारीगरों को किए 240 मशीनें व टूलकिट वितरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

आत्मनिर्भर भारत और ग्रामीण उद्यमिता को नई गति देते हुए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने आरडी कॉलेज, मंडला में खादी ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत एक भव्य वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत खादी और ग्राम उद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उन्होंने 280 कारीगरों को लगभग एक करोड़ रुपये की राशि की 240 मशीनें एवं टूलकिट वितरित किए। इनमें कुम्हारों के लिए इलेक्ट्रिक चाक, हनी मिशन के अंतर्गत मधुमक्खी पालन के बक्से, चमड़ा उद्योग के टूलकिट, सिलाई मशीनें, अगरबत्ती निर्माण मशीनें, फाइबर उद्योग उपकरण तथा अन्य तकनीकी टूलकिट शामिल रहे। इन संसाधनों के माध्यम से कारीगरों की उत्पादकता बढ़ाने और उनकी आय में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

अपने संबोधन में श्री मनोज कुमार ने कहा कि नए भारत का निर्माण कारीगरों के हाथों की मेहनत से ही होगा। आप सभी खादी के ब्रांड एंबेसडर हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' के विजन के अनुरूप खादी अब केवल वस्त्र नहीं, बल्कि रोजगार, नवाचार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का सशक्त माध्यम बन चुकी है।

उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में अब तक 4,000 से अधिक टूलकिट वितरित किए जा चुके हैं। प्रदेश में 21 से अधिक खादी संस्थाएं सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं, जो ग्रामोद्योग को मजबूत आधार प्रदान कर रही हैं। खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में इस क्षेत्र का कारोबार 30-35 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 1.70 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है और निकट भविष्य में यह 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर जाएगा।

उन्होंने कहा कि कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण, प्रदर्शनी मंच तथा प्रभावी मार्केटिंग की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे वे स्थानीय स्तर पर ही अपने उद्यम स्थापित कर सकें और पलायन को रोका जा सके।

उन्होंने लाभार्थियों से गुणवत्ता सुधार, आकर्षक पैकेजिंग और बेहतर बाजार संपर्क अपनाने का भी आह्वान किया।

महिलाओं को विशेष रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीन, आटा चक्की और रोटी बनाने की मशीनें भी प्रदान की गईं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। यह आयोजन ग्रामीण उद्योगों को सशक्त बनाने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में केवीआईसी के सतत प्रयासों का एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। इस अवसर पर श्री महेंद्र पटेल, श्री विनीत वर्मा संचालक खादी तथा ग्रामोद्योग भोपाल, श्री राजीव खन्ना सहायक निदेशक खादी तथा ग्रामोद्योग भोपाल, श्री अखिलेश सिंह सहायक निदेशक मध्य क्षेत्र खादी तथा ग्रामोद्योग, अपर कलेक्टर श्री राजेंद्र कुमार सिंह, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी श्री शिव कुमार डेकाटे सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में हितग्राही मौजूद थे।

जन शिक्षण संस्थान, मण्डला (म.प्र.)

(कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार)

कार्यालय पता - स्टेट बैंक के पीछे, आशियाना कालोनी, ज्वालाजी वार्ड, महराजपुर, मण्डला (म.प्र.) 481661

त्रुटि सुधार

जन शिक्षण संस्थान मंडला द्वारा दिनांक 21 मार्च 2026 को जारी आवश्यकता है विज्ञप्ति में पद क्रमांक 3 क्षेत्र सहायक में पद संख्या 03 की जगह पर 02 तथा पद क्रमांक 4 में कंप्यूटर ऑपरेटर सह लिपिक में पद संख्या 03 की जगह पर 01 एवं पढ़ा जाए। समिति द्वारा पदों की संख्या घटाई - बढ़ाई जा सकती है।

निदेशक

जन शिक्षण संस्थान मंडला (म.प्र)

नाम सुधार सूचना

मैं अमीरूल बक्श पिता शेख अजीज आयु 66 वार्ड नं 15 राजेन्द्र नगर छिंदवाड़ा शिव मंदिर के पास का स्थायी निवासी हूँ मुझ शपथकर्ता का वास्तविक नाम अमीरूल बक्श है जो कि मेरे शाला स्थानांतरण प्रमाण पत्र के मूल प्रमाण पत्र में दर्ज है जो कि सत्य व सही है किन्तु मेरे आधार कार्ड (नं. 3595 5054 4169) में मेरा नाम शेख अमिर दर्ज कर दिया गया है जो कि गलत है यह कि मेरे आधार कार्ड में दर्ज मेरा नाम शेख अमिर के स्थान पर वास्तविक नाम अमीरूल बक्श अंकित किये जाने हेत मैं अपना स्वयं का यह शपथ पत्र निष्पादित कर रहा हूँ मेरे द्वारा दी गई जानकारी सत्य व सही है असत्य पाये जाने पर सम्पूर्ण जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी।

शपथकर्ता
अमीरूल बक्श

अनदेखी | डिवाईडर में लगे पेड़ों को उखड़वाया जा रहा।

एन एच 30 में हुए जानलेवा गड्ढे, हादसों का डर

*** जिम्मेदार अधिकारियों का अनोखा फरमान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

राष्ट्रीय राज मार्ग ऐन एच 30 नगर के अंदर मध्य पुल के ऊपर बारिश के पूर्व हुए बड़े बड़े गड्ढों उखाड़ी सड़क पर मेंटेनेंस नहीं होने कारण आवागमन में वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है इस संदर्भ में बारिश के समय भी ऐन एच 30 के आला अधिकारियों को सड़क हुए गड्ढों उखड़ी हुई सड़क को लेकर अवगत कराया गया था मगर अब तक की स्थिति में कोई सुधार नहीं हो सका जिससे वाहन चालक गड्ढों से बचने के चक्कर में साइड से गाड़ी निकलते हैं ऐसे में कोई बड़ा हादसा हो सकता है जसके लिए कौन जिम्मेदार होगा वैसे भी बाई पास नहीं होने के कारण नगर के लोग इसे झेल रहे हैं ,आए दिन कही ना कही सड़क खराब होने के कारण हादसे हो रहे हैं गड्ढों से बचने गाड़ी काटने ओर मोड़ते समय दुर्घटना का डर बना रहता है, ऐसे समय में सड़क मेंटेनेंस तो दूर ऐन एच 30 के अधिकारी - एन एच 30 में नगर के डिवाइडर में लगे वृक्षों को जड़ से उखड़वाना का काम कर रहे हैं ऐसा जैसे इनकी हरियाली से दुश्मनी हो, अगर यही समय सड़क सुधार में लगा देते तो सड़क ठीक हो जाती मगर ये ना कर डिवाइडर में लगे पौधों को काटना ऐसा लगता जैसे इनकी हरियाली से कोई दुश्मनी हो। राष्ट्रीय राजमार्ग के डिवाइडर पर वृक्षारोपण मुख्य रूप से सुरक्षा, पर्यावरण,और दृश्यता के लिए किया जाता है ये पौधे रात में सामने से आने वाले वाहनों की हेडलाइड की चकाचौंध (Glare) को रोक कर हादसों को कम करते हैं। ध्वनि प्रदुषण को अवशोषित करते हैं और हरियाली से चालकों की आंखों को सुकून देते हैं।पौधे डिवाइडर पर एक प्राकृतिक बाधा (Barrier)का काम करते हैं जो दो लेन अलग रखते हैं और चालक का ध्यान केंद्रित करते हैं। ये पोंधे वाहनों से निकलने वाले हानिकारक धुएं और धुल को अवशोषित करते हैं और हवा को स्वच्छ रखने में मदद करते हैं।

इनका कहना है :-

हरियाली से ही सड़क सुन्दर दिखती है और लम्बे समय से गाड़ी चलाने से होने वाली आंखों की थकान कम होती है। इन सब महत्वपूर्ण कारणों के बाद भी नगर भुआ बिछिया के डिवाइडर पर लगे वृक्षों को जड़ से समूल नष्ट करना समझ के परे है। जिला एवं नगर प्रशासन से और नगर के जिम्मेदार नागरिकों से अपील है कि पौधों के समूल नष्ट होने को तत्काल रोका जाये। और ऐन एच 30 के अधिकारियो को नगर की बदहाल सड़क को सुधारने को कहा जाए आए दिन दुर्घटनाएं से सड़क पर गाड़ी लेकर निकलना दूभर हो गया है, हरे भरे पेड़ पौधों की कटाई छंटाई ही कराई जावे उन्हें समूल नष्ट न किया जाए।

-राजेन्द्र कुमार साहू,
भुआबिछिया

महीनों से नगर के राष्ट्रीय राज मार्ग ऐन एच 30 पर बड़े बड़े गड्ढे सड़क पर हे ये अधिकारियों को नहीं दिखते इन्हें सड़क के बीच डिवाइडर पर लगे फूल और अन्य पेड़ पौधो को काटना तो दूर उन्हें समूल नष्ट करने का आदेश अधिकारियों ने दिया है जो गलत है पेड़ पौधे लगाए जाएं जिससे पर्यावरण के साथ मार्ग की सुंदरता बनी रहे पेड़ पौधे काटे ना जाएं।

-सुनील गर्ग,
भुआबिछिया मंडला

कार्यालय ग्राम पंचायत शाहा जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत कूण्डा में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत एवं स्टेशनरी सामग्री आदि की आवश्यकता है वर्ष 2026-27 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में 7 दिवस के अंदर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सरपंच श्रीमति गोमती मरावी — सचिव फुंदीलाल धूमकेती

कार्यालय ग्राम पंचायत फड़कीमाल जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत मझगांव में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत एवं स्टेशनरी सामग्री आदि की आवश्यकता है वर्ष 2026-27 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में 7 दिवस के अंदर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सरपंच श्रीमति माया बाई मरावी — सचिव पंचम सिंह तेकाम

कार्यालय ग्राम पंचायत देवरी जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत खिन्हा में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत एवं स्टेशनरी सामग्री आदि की आवश्यकता है वर्ष 2026-27 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में 7 दिवस के अंदर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सरपंच श्रीमति संध्या मार्को — सचिव खुमान सिंह उइके

कार्यालय ग्राम पंचायत सुखराम जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत सिवनीमाल में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत एवं स्टेशनरी सामग्री आदि की आवश्यकता है वर्ष 2026-27 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में 7 दिवस के अंदर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सरपंच कमल सिंह मरावी — सचिव पंचू लाल मरकाम

खबर संक्षेप

नवरात्र के दौरान नगर के खेरापति मंदिर में जल ढारने तो रात में आरती के लिये उमड़ रही भीड़

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। चल रहे चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर जहां चारों ओर धार्मिक कार्यक्रमों के चलते संपूर्ण महौल मातारानी की आराधना में डूबा हुआ दिखाई पड़ रहा है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर की रक्षक माने जाने वाली महारानी खेड़ापति मंदिर में देवी मां के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। सुबह 4 बजे से जहां खेरापमि मंदिर में जल ढारने वाली महिलाओं की भीड़ उमडते हुये देखी जाती है। वही शाम के भक्त मातारानी के दर्शन व महाआरती में शामिल होकर भक्त जन पुण्य लाभ लेने से नही चूक रहे है। इस प्रकार नगर के खेरापति मंदिर में प्रतिदिन पूजा-अर्चना और प्रसादी वितरण किया जा रहा है। सुबह होते ही दर्शनार्थी जल चढ़ाने पहुंचने लगते हैं और अपार श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ देवी मां की आराधना में लीन होकर उपवास कर रहे हैं। खेड़ापति मंदिर में कलश की स्थापना की गई है। मंदिर को विद्युत साज-सज्जा से रोशन किया गया है। नगर और आसपास के क्षेत्र से धर्म प्रेमी जनता मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रही है। मंदिर समिति द्वारा मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए बेहतर इंतजाम किए गए हैं और स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

पंचायतों में पौधें के साथ प्लेट फार्म भी हो रहे हैं गायब, हर वर्ष लाखों खर्च होने के बाद भी दर्शन नहीं दे रहे पेड़

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। राष्टीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे लगाए जा रहे पेड़ों से क्षेत्र हरित जिले मे स्थान पा सकेगा,लेकिन आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तों गायब ही है साथ ही उनके लिए बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे है,जिस कारण क्षेत्रवासियों का यह समना ग्राम पंचायतों के पिछली पंचवर्षीय सरपंच,सचिवों एवं योजना को लागू करने वाले अधिकारी एवं उपयांत्रियों की मनमानी की भेंट चढ़ गया है। जानकारी अनुसार क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बमुश्किल पचास प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नही है अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके है और उनके लिए बनाए गए प्लेट फार्म टूटकर विखरने लगे है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ानें के उद्देश्य से बड़ी संख्या मे पेड़ लगाए गए थे जिसके लिए करोड़ो रूपये का बजट खर्च किया गया है। इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखो रूपये की राशि खर्च की गई है, लेकिन इस खर्च का कोई मतलब नही दिखाई दे रहा है? बीते हुए वर्षो में इस योजना के अंतर्गत की अनेक ग्राम पंचायतों मे पौधें लगाने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन ट्री गार्ड के निर्माण कार्यो में अनेकों ग्राम पंचायतो मे अनियमितता बरती गई है? जिसका जीता जागता उदाहरण जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा व चावरपाठा की अनेक ग्राम पंचायतों में जाकर देखा जा सकता है। हैरत की बात तो यह है कि क्षेत्र के आला अधिकारी भी इस विषय की जानकारी रखते हुये भी इस ओर कड़े कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधें हुये है। क्षेत्र मे जहां कही भी हरियाली महोत्सव के नाम राशि को खर्च किया गया है। वहां यह योजना दम तोड़ चुकी नजर आ रही है। काबिल गौर है कि रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरों को काम मुहैया कराने व विकास के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई थी, लेकिन जहां कही भी यह योजना हरियाली महोत्सव के नाम पर चलाई गई वहां परिणाम केवल कागजों मे सिमट कर रह गए है। वस्तु स्थिति कुछ अलग बयां कर रही है कि ट्री गार्ड तो निर्माण करवाये गए थें, लेकिन पौधे तैयार नही हो सके,क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों मे जाकर देखा जाए तो ट्री गार्ड के नाम पर इस राशि का बंदरवाट जमकर किया गया है? वही कुछ पंचायातों में तो ट्री गार्ड के नाम से राशि निकालकर पौधों के चारो ओर बेसर्म की बाड़ी लगा दी गई थी, जिससे पैसा की जगह बेसर्म तैयार हो गई है। पूर्व के पंचायती राज कार्यकाल के समय मे रहे सरपंच और सचिव तथा अधिकारियों की मिली भगत दिखाई दे रही है, इसके लिए समूचा प्रशासन तंत्र व ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधियों की अनियमितताएं खुले रूप मे उजागर हो रही है? विभिन्न ग्राम पंचायतों के विगत पंचवर्षीय मे सरपंच, सचिव व अधिकारियों की इस घोर अनियमितता के चलते क्षेत्रवासियों का हरित क्रांति का सपना अधूरा रह गया है।

रोशनी से जगमगाते शहर में माताराजी के मंदिरो में रात के समय बज रही झालर घंटी,

सुबह से लग रही देवी मंदिरों में जल ढ़ारने वाले श्रद्धालुओं की भीड़, माँ की भक्ति में लीन नजर आ रहे लोग ..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

चैत्र नवरात्र पर्व के चलते जहां इन दिनों शहर के हिन्दू धर्मावलंबी आदि शक्ति माँ की भक्ति में लीन दिखाई दे रहे है। इस समय पड़ रही तेज तपन व अचानक आसमान पर छाने वाले बादलों की दहशत होने के बाद भी लोगों के दिलों में माताराजी की आराधना का उत्साह कम नही हो रहा है। क्योंकि इस समय निश्चित ही क्षेत्र के किसानों के खेतों में गेंहू, चना सहित अन्य प्रकार की फसल पकने के बाद कटने के लिये तैयार खड़ी होने के दौरान यदि बारिश होती है तो निश्चित तौर से वह खराब होने से नही बच पायेगी। इस स्थिति में निश्चित किसानों के चेहरों पर चिंता के बादल मड़राने से नही चूक रहे है। वही वह माताराजी से यही आर्शीवाद मांगते हुये देखे जा रहे है कि है माँ हमारी रक्षा करना। इसी के चलते देखा जा रहा है कि शहरों से लेकर गांव गांव देवी माँ के आराधना पर्व के चलते नगर की सारी हलचलों पर विराम सा लगा हुआ नजर आ रहा है। क्योंकि इस समय जिस प्रकार से संपूर्ण क्षेत्र में देवी भक्ति की धूम मची हुई है। वही सुबह के वक्त देवी मंदिरों में माताराजी को जल ढारने वाले महिला पुरूष सहित युवाओं का देवी मंदिरों पर तांता लगा हुआ दिखाई देता है। वही दूसरी ओर रात के वक्त रोशनी से जगमगाते हुये देवी मंदिर निश्चित ही भक्तों का मन मोहने में कोई कसर नही छोड रहे है। यदि सच्चाई पर नजर डाली जावे तो बीते हुये कुछ वर्षो में कोरोना सहित अनेक प्रकार की बीमारियों के चलते लोगों के दिलों में माताराजी की आराधना का जो उत्सह था वह प्रशासन द्वारा लगाये गये प्रतिबंधों के चलते ठंडा पड़ गया था। मगर अब माताराजी के भक्त अपनी आराध्य की सेवा में कोई कसर नही छोड़ना चाह रहे है। इसी के चलते लोगों में जहां काफी उत्साह देखने मिल रहा है और अनेक जगहों पर देवी मंदिरों में माँ जगत जननी की अनोखी झांकी सजाई गई है। मगर नवरात्र के चौथे दिन देर रात तक जगह जगह से माताराजी के जस कार्यक्रम आयोजित होने के कारण लोगों के भक्ति से भरे हुये मधुर गीत लोगों को माँ की आराधना में लीन होने के लिये आकर्षित करने से नही चूक रहे है। नगर के दुर्गा मंदिर समितियों द्वारा तैयार की माताराजी की मनोहर झांकियाँ सजा श्रद्वालुओं को जहां एक तरफ मोहित कर सुबह शाम माताराजी की पूजन, आरती की जा रही है। वही दूसरी ओर चैत्र नवरात्र पर्व के दौरान अनेक जगहों पर लोगो ने अपने घरों में जबारों की स्थापना की गई जिसके चलते आज पंचमी के दौरान चंदेवा चढ़ाया जावेगा। वही बीते हुये सोमवार को लोगों ने अपने घरों एवं दुर्गा मंदिरों में विराजमान माँ दुर्गाजी का पूजन कर उन्हें विविध व्यंजनों का भोग लगाया। वही दूसरी ओर समीपस्थ कौड़िया मार्ग पर विराजमान देवी मंदिर में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी लगातार कन्या भोज का आयोजन चलते हुये देखा जा रहा है। जहां पर देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन करते हुये उन्हें भोजन कराते हुये भक्तों द्वारा आर्शीवाद ग्रहण किया जा रहा है। इस प्रकार से चल रहे नवरात्र को लेकर नगर के बुद्विमान पंडितों का कहना है कि चैत्र नवरात्र पर्व के शेष दिन भक्तों के पराक्रम, शक्ति वृद्वि करने वाले है। क्योंकि इन शुभ दिनों में अत्यंत पुण्यदायी शुभ संयोग पड़ रहे है। माताराजी के भक्तों में नई ऊर्जा का संचार होगा और वे माँ दुर्गा जी का आशीष पाने व्याकुल होगे। क्योंकि चैत्र नवरात्र पर्व के दौरान पड़ रहे इन संयोगों में माँ भगवती की श्रद्वाभाव से की गई आराधना व कन्याओं का पूजन करते हुए उन्हे भोजन कराने से पुण्य लाभ मिलता है। वही बाजार से मनचाही वस्तुओं की खरीदी करने तथा कुल देवताओं की पूजन करने और माताराजी का तन्मय होकर गुणगान करने से श्रद्वालुओं को सुख, शांति, लक्ष्मी तथ यश की प्राप्ति होगी, इस प्रकार से देखा जा रहा है कि इस समय चल रहे नवरात्र के दौरान चारो ओर धर्ममय वातावरण देखने मिल रहा है।

ग्राम इकाई खिरिया द्वारा वीरांगना अवंती बाई लोधी बलिदान दिवस पर किया याद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। देश की आजादी के लिये अपने प्राण न्यौछाबर करने वाली वीरांगना अवंती बाई लोधी बलिदान दिवस ईकाई ग्राम खिरिया ग्राम पंचायत अर्जुनगांव सरपंच श्रीमति लीला / ओम पटेल (मुहारिया) निवास में मनाया गया। बताया जाता है कि इस मौके पर सर्व प्रथम महारानी वीरांगना अवंती बाई लोधी के तेल चित्र का पूजन अर्चन वंदन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बताया जाता है कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोधी क्षत्रिय समाज के जिला अध्यक्ष अशोक कुमार पटेल एवं क्षेत्रीय समाज के समस्त पदाधिकारीगण एवं वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी विवाह सम्मेलन समिति के वरिष्ठ जन, मातृशक्ति समस्त क्षेत्रवासी व क्षेत्रीय लोधी समाज के प्रत्येक ग्रामों से वरिष्ठ , कनिष्ठ स्वयंसेवी बंधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वही दूसरी ओर कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं ने महारानी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया। बताया जाता है कि लोधी क्षत्रिय समाज के जिला अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने सभी क्षेत्रीय समाजिक बंधुओं का स्वागत करते हुए समाज को संगठित रहने को कहा। वही अगले वक्ताओं ने बताया कि हम 20 मार्च 1857 की क्रांति की वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी का बलिदान दिवस मनाया जाता है। उन्होंने 1858 में रामगढ़ की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए सर्वोच्च्य बलिदान दिया था। रानी अवंती लोधी ने 20 मार्च 1858 को अंग्रेजों के आगे झुकने की बजाय अपनी मातृभूमि के लिए प्राण त्याग दिये। रानी अवंती बाई लोधी (1831-1858) रामगढ़ (मध्य प्रदेश) की वीरांगना थीं, जिन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ चार हजार सैनिकों की फौज का नेतृत्व किया। ब्रिटिश 'हड़प नीति का विरोध करते हुए उन्होंने वीरता से युद्ध किया और 20 मार्च 1858 को मातृभूमि के लिए आत्म बलिदान दे दिया। समाज में व्याप्त कुरुतियों को लेकर बात रखी गई। इसी क्रम बंधुओ ने उद्धबोधन दिया वही लोधी क्षत्रीय समाज बाबई चीचली ने अगामी कार्यक्रमों को लेकर बताया कि लोधी समाज सम्मेलन, ग्राम ईकाई गठन, भोपाल सम्मेलन विषय रखें एवं उपस्थित सभी सम्माननीय बंधुओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किये गये। इस कार्यक्रम में बाबई चीचली ब्लाक की सभी इकाइयों एवं समस्त ग्रामों से समाजिक बंधुओं एवं आलोक संघ के बंधु उपस्थिति रहें।

धूनी नगरी सांईखेड़ा में शिक्षा मंत्री उदय प्रताप ने विस्थापितों को बांटे आवासीय पट्टे, आर्थिक सहायता के लिये बढ़ाया मदद का हाथ

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। क्षेत्र के विकास के साथ-साथ गरीबों और विस्थापितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए बीते हुये दिवस प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक राव उदय प्रताप सिंह ने दादा धूनी वालों की नगरी साईखेड़ा में एक महत्वपूर्ण राहत कार्य संपन्न किया। सांदीपनि विद्यालय परिसर में हुई अतिक्रमण विरोधी कार्यवाही से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए मंत्री सिंह ने स्वयं पहल करते हुए उन्हें आवासीय पट्टे और आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना से मिलेगा पक्का घर-सांदीपनि विद्यालय परिसर से विस्थापित हुए हितग्राही नगर के नन्हेवीर पिता छिदामीलाल और श्रीमती हक्कीबाई पति परमसुख के सामने सिर छुपाने की चुनौती खड़ी हो गई थी। इस समस्या का त्वरित निराकरण करते हुए कैबिनेट मंत्री ने दोनों परिवारों को प्रधानमंत्री आवास (पीएम आवास) हेतु आवासीय पट्टे उपलब्ध कराए। पट्टा मिलने से अब इन परिवारों के अपने पक्के घर का सपना साकार हो सकेगा। इसके साथ ही उन्हें तत्काल राहत के रूप में आर्थिक सहायता राशि के चेक भी सौंपे गए।वही दूसरी नगर के गरीबदास और सतीश अग्रवाल को भी आर्थिक सहायता प्रदान की गई। पुनर्वास की कार्यवाही के साथ-साथ मंत्री सिंह ने अन्य जरूरतमंदों की भी सुध ली। साईखेड़ा निवासी गरीबदास और सतीश अग्रवाल को उनकी आवश्यकताओं को देखते हुए आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। सहायता प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी हितग्राहियों ने इस पहल के लिए कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के प्रति प्रसन्नता जाहिर की गई साथ ही उन्होंने नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कीरत सिंह पटेल (दादा भैया) एवं क्षेत्र के समस्त वरिष्ठ जनों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके प्रयासों से विस्थापितों को न्याय और संबल प्राप्त हुआ। क्षेत्रीय जनों का कहना है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय के कारण ही अतिक्रमण जैसी जटिल कार्यवाही के बाद भी विस्थापितों को समय पर राहत मिल पाई है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, नगर परिषद के सदस्य और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अलग अलग जगहों पर पुलिस द्वारा सटोरियों को पकड़ने में हासिल की सफलता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सट्टे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना के निर्देशन में पुलिस थानों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिनों गाडरवारा पुलिस के साथ साथ आसपास के अन्य पुलिस थानों द्वारा सटोरियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये अनेक सटोरियों को पकड़ने में सफलता हासिल की गई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गाडरवारा पुलिस द्वारा नगर के चीचली तिरहा के पास राधाराम पिता गुड्डू कहार निवासी गांधी वार्ड के पास से पुलिस ने सट्टा पट्टी व नगदी 450 रूपया तथा सिहोरा चौकी के अंतर्गत सिहोरा रोड पर मंहत उर्फ मन्टू पिता रविशंकर जाटव के पास से सट्टा पट्टी व नगदी 565 रूपया व दशरथ पिता हर नारायण लोधी के पास से भी पुलिस ने सट्टा पट्टी सहित नगदी 720 रूपया व तरूण पिता पूरन लाल वर्मा के पास से सट्टा पट्टी सहित नगदी 430 रूपया तो ग्राम खुलरी में वही के निवासी जितेन्द्र पिता देवेन्द्र रजक के पास से भी पुलिस ने सट्टा पट्टी सहित नगदी 550 रूपया तो सालीचौका चौकी के अंतर्गत गुड बाजार में हेमराज पिता रविशंकर यादव टावर मुहल्ला के पास से सट्टी व नगदी 750, ग्राम बोहानी में मंदिर के पास से हीराल लाल पिता बाबूलाल के पास से पट्टी सहित नगदी 850 रूपया व टावर रोड के पास संजय पिता बालमुकुंद पठारिया के पास से भी सट्टा पट्टी सहित नगदी 1250 रूपया जप्त किये गये। इसी प्रकार से चीचली थाने के अंतर्गत ग्राम गोटीटोरिया में परम लाल पिता खरगराम कतिया के पास से सट्टा पट्टी सहित नगदी 1220 रूपया तथा खिरका मुहल्ला में आजाद उर्फ अज्जू पिता मकबूल शाह के पास से सट्टा पट्टी सहित नगदी 3100 रूपया, लखन पिता भवानी ओझा निवासी ढोगा मुहल्ला के पास से पट्टी सहित 2460 रूपया व ग्राम दुरसरू में वही के निवासी प्रेमनारायण पिता भोजराज कुशवाहा के पास से सट्टा पट्टी व नगदी 150 रूपया व ठेका मुहल्ला में रियाज उर्फ सोनू पिता रूस्तम खान के पास से पट्टी सहित नगदी 530 रूपया जप्त करते हुये सटोरियों के खिलाफ 4 क जुंआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

निजी शालाओं में सुविधाओं की कमी, शिक्षित बेरोजगारों का धडल्ले से हो रहा शोषण फिर भी प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस समय जिस प्रकार से शिक्षा के नाम पर लोगों द्वारा जिस प्रकार से दुकानदारी चलाई जा रही है उससे बच्चों का भविष्य बनना कम और स्कूल संचालको का निजी स्वार्थ ज्यादा ही नजर आ रहा है? क्योंकि शहर के साथ साथ ग्राम क्षेत्रों में दिन दिन ऊंग रही शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह स्कूल शिक्षा विभागों के नियमों के विरूद्ध स्थापित सुविधाहीन शालायें शिक्षा के नाम पर व्यवसाय करने में जुटी हुइं हैं? इस प्रकार के विद्यालयों में मूलभुत सुविधाओं अलावा विशेषज्ञ शिक्षकों एवं खेल मैदानों का अभाव एक विकट समस्या बना हुआ है, जिसका प्रभाव छात्रों पर पड़ रहा है। इस शहर शहरों के साथ गांव गांव स्थापित निजी शालायें मात्र शिक्षा की दुकान बनकर रह गई हैं? ऐंसी दुकाननुमा शालाओं की शिक्षा हमारे होन हारों पर क्या असर छोड़ेगी इससे सभी अंजान नहीं हैं? शिक्षा की दुकान बनी निजी शालाओं को बढ़ावा देने में पालक भी कम दोषी नहीं हैं। क्योंकि वे जानबूझकर निजी शालाओं के आकर्षण में पड़कर बच्चों का दाखिला करवा देते हैं और बाद में पछताते हैं। इस समय शहरों के आलवा ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जावे तो ऐसी अनेक शिक्षण संस्थायें हैं जहाँ पर मात्र 10 वीं से 12 वीं पास युवक युवती अल्प वेतन मानदेय पर शिक्षक के रूप में सेवाये देकर बेरोजगारी के समय में शोषित हो रहे हैं। इन निजी शालाओं में ना तो छात्र-छात्राओं को पीने के लिये शुद्ध पेयजल, पेशाबघर, शौंचालय, खेल मैदान व बैठने के लिये हवादार कमरे भी नहीं हैं। शहर के साथ साथ गांवों में ऐसी कई शालायें तो किराये के रहवासी मकानों में लग रहीं हैं इसके बाद भी शिक्षक संस्थाओं के संचालक पालकों से सभी व्यवस्थाओं के नाम पर मनमानी फीस वसूल रहे हैं। वही कुछ स्कूलों के संचालको बात करे तो वह गांव में इस प्रकार से अग्रेजी स्कूलों का संचालन कर रहे है, जिन्हे खुदे तो अग्रेजी आती नही है और वह बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षकों का संचालन करने बैठे हुए है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या इन स्कूलों में बच्चों द्वारा दी जाने वाली फीस के मुताबिक पढ़ाई हो पायेगी? पालकों को चाहिये कि वे शिक्षण सत्र दौरान ही अपनी जागरूकता का परिचय देते हुये पूर्ण नियम कानून से चलने वाली शालाओं में ही अपने बच्चों को प्रवेश दिलाये जिससे उनका भविष्य सँवर सके तथा शिक्षा विभाग से अपेक्षा की जाती है कि गाजर घास की तरह गांव गांव ऊगं शिक्षण संस्थाओं की जाँच करे जो नियमों को दर किनार करके जेबें भरने में लगे हुई हैं। विदित हो कि शिक्षण संस्थाओं में बच्चों को खेलने के लिये निश्चत भूखंड का मैदान होना जरूरी है किंतु यहाँ जो देखने में आ रहा है उससे स्पष्ट रूप से लग रहा है कि शिक्षण संस्थाओं के नाम पर मात्र पैसा कमाया जा रहा है, किराये के मकानों में संचालित होने वाली अग्रेजी माध्याम की एक संस्था का तो यह है हाल है कि ग्रामीण क्षेत्रों से बच्चों वाहन सुविधा के नाम पर पैसा लिया जा रहा है, और उसी वाहन में खुलेआम दिन भर सवाली ढ़ोई जा रह है। यह सच्चाई गांव गांव संचालित होने वाली शिक्षण संस्थाओं में चल रहे वाहनों में आसानी से देखा जा सकता है कि जिनके पास न तो बच्चों को लाने ले जाने का परमिट है और न ही वाहनों के जरूरी कागज उसके बाद भी खुलेआम बच्चों को सबारियों के साथ भेड बकरी की तरह भरने से नही चूक रहे है?

शहर की तरह गांवों के तालाबों का उद्वार होने की महसूस की जा रही आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शहर के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समीप बना हुआ तालाब वर्तमान स्थिति जिस तरह अपनी सुन्दरता का प्रदर्शन करते हुये लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है निश्चित तौर से नगर की समाजसेवी लोगों के द्वारा किये गये प्रयास की एक अनूठी पहचान का उल्लेख जान पड़ रहा है? यदि इस तालाब की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ वर्ष पहले जहां जहां यह तालाब जल विहीन होकर सपाट मैदान में तब्दील हो चुका था। वही नगर के इस एक मात्र तालाब में उगी झाडियों ने इसका अस्तिव ही मिटा दिया गया था। वही वर्षो पहले उक्त तालाब का गहरीकरण कराने की प्रशासन ने कवायद की थी किन्तु इस तालाब को बिना गहरा किए असुरक्षित छोड़ दिया गया था, जिसके चलते नपा के प्रयासों से बीते हुए वर्ष उसकी चारों का बाउन्ड्री बाल करते हुए सुन्दर बनाने का प्रयास किये जाने के साथ साथ इस तालाब को नगर के समाजसेवियों द्वारा छेड़ी गई मुहिम का परिणाम है कि यह तालाब दिनों दिन जहां अपने अनोख रूप धारण करते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर इस मार्ग से निकलने वाले लोगों के लिये आकर्षित करने से भी नही चूक रहा है। इस तरह नगर के समाजसेवियों द्वारा तालाब को लेकर छेड़ी गई इस मुहिम के चलते निश्चित ही संपूर्ण क्षेत्र में अनोखा संदेश मिलते हुये जान पड़ रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि क्षेत्र का ऐसा कोई गांव नही होगा जहां पर तालाब के नाम पर शासकीय भूमि नही पड़ी हो..? मगर वहां पर तालाब तो नजर नही आ रहे है और अतिक्रमण की भेंट चढ़ते चले जा रहे है। क्योंकि इस तरह गांवों में तालाब के नाम पर पड़ी हुई उस शासकीय भूमि पर निश्चित तौर से प्रभावशाली लोगों की फसल जरूर लहलहाते हुये देखी जा रही है, जो प्रशासन की उदासीनता का खुला प्रमाण देते हुये गांवों में बने हुये तालाबों का आस्तित्व ही समाप्त हो चुका है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो लगभग 12 वर्ष पूर्व गांवों में तालाब बनाने की योजना के तहत गांव गांव तालाबों को निर्माण कराते हुए जहां सरकार द्वारा करोड़ो रूपया खर्च किये गये थें। मगर वर्तमान स्थिति में तालाबों को देखते हुए जहां उस समय खर्च किया गया रूपया सिर्फ बर्बादी के आलवा और कुछ जान नही पड़ रहा है? वही दूसरी ओर तालाबों के नाम पर पड़ी शासकीय भूमि पर या तो किसी प्रभावशाली व्यक्ति का कब्जा बना हुआ है या फिर किसी की फसल लहरा रही है? मगर जिन जगहों पर कुछ तालाब शेष बचे हुए है उनकी स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह सूख चुके है और उनकी गहराई कम होती जा रही है साथ ही अस्वच्छता ने गांवों के तालाबों का बुरा हाल कर दिया गया है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि वह जनहित में शहर की ही तरह क्षेत्र के गांवों के तालाबों का गहरीकरण करते हुए उन्हें सुन्दरता प्रदान करने की पहल की जावे तो निश्चित ही शहर की तरह गांवों के तालाबों का रूप निखर सकता है और गर्मी के दिनों में गिरने वाले जल स्तर को भी बचाया जा सकता है।

नांदनेर में यात्री प्रतीक्षालय न होने से यात्रियों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर। जहां एक ओर सरकार द्वारा गांव गांव अपनी जनराशि करते हुए विकास कार्य कराये जा रहे है। मगर कहा जाता है कि वह विकाय का कार्य सही कहलाता है जिसकी लोगों को उपयोगता होती है और यदि वही विकास कार्य नही होता है तो संपूर्ण विकास कार्यों पर प्रश्न चिन्हें लग जाते है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम पंचायत नांदनेर में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि हायर सेकेण्डरी स्कूल होने के साथ साथ सेवा सहकारी समिति सहित अन्य सुविधाएं तो गांव में उपलब्ध है, मगर यहां पर यात्री प्रतिक्षालय नही होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि ग्राम नांदनेर गाडरवारा पिपरिया मुख्य मार्ग पर स्थिति होने के कारण यहां से सभी प्रकार के वाहनों का निकलना होता है। वही यहां पर अपनी यात्रा करने के लिए इस मार्ग से चलने वाली बसों को पकड़ने के लिए प्रतिदिन आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम झांझनखेड़ा, मिढ़वानी, देवरी, ढहलवाड़ा, छोटी बनखेड़ी सहित अन्य गांवों के लोगों का आना जाना भी रहता है, मगर यात्री प्रतीक्षालय न होने से उन्हे जहां बारिश के दिनों में गिरते हुये पानी तो गर्मी के दिनों में तेज तपती हुई धूप में खड़े होकर बसो का इंतजार करने मजबूर होना पड़ता है वही चाय पान दुकानों का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक
DPIS
प्रवेश प्रारंभ
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob. : 903 9230 199, 722 4021 199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

खबर संक्षेप

ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

उमरिया। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग ने बताया कि ग्रीष्म काल में पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु हैंडपंप संधारण एवं नल जल योजना संचालन, संधारण हेतु जिला अंतर्गत उपखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका मोबाइल नंबर 9993202477 है। उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम के लिए अनुरूद्ध सिंह उद्दे हैंडपंप टेक्नीशियन कि सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक के लिए तथा संजय बर्मन स्टोर क्लर्क कि दोपहर 2 बजे से सायं 8 बजे तक के लिए लगाई गई है। अवकाश के दिनों में अनिरुद्ध सिंह उद्दे हैंडपंप टेक्नीशियन को फोन अटेंड कर शिकायत रजिस्टर में संधारित करने हेतु नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर कार्यरत आर के गुप्ता सहायक यंत्री प्रभारी कंट्रोल रूम मोबाइल नंबर 7974203198, हिमांशु जायसवाल उपयंत्री विकासखंड मानपुर पाली मोबाइल नंबर 8109380365 तथा अजय कुमार शर्मा उपयंत्री विकासखंड करकेली मोबाइल नंबर 9131215330 तथा ठेकेदार मेसर्स इंटरनेशनल स्पेशल स्क्योरिटी फोर्स करकेली, मानपुर पाली मोबाइल नंबर 9752291747 से सीधे संपर्क किया जा सकता है ।

जिला कौशल समिति की बैठक आज

उमरिया। जिले में कौशल विकास की विभिन्न योजनाओं में आंवटित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनाओं की मॉनिटरिंग हेतु जिला कौशल समिति की बैठक 23 मार्च टीएल बैठक के बाद आयोजित कि गई है। सर्व संबंधितो से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

जैतहरी पुलिस ने 5 वर्ष से फरार 1,93,000 के वसूली वारंटी आरोपी को किया गिरफ्तार

जैतहरी। थाना जैतहरी पुलिस द्वारा वसूली वारंटी के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुटुंब न्यायालय अनूपपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक एमजेसीआर 36/2021, धारा 125 (3) जाफौ के अंतर्गत धौकल सिंह गोंड (पिता दलबीर सिंह गोंड), उम्र 45 वर्ष, निवासी खुंटाटोला, थाना जैतहरी, जिला अनूपपुर (म.प्र.) के विरुद्ध 1,93,000 की वसूली वारंटी जारी की गई थी। आरोपी पिछले लगभग 5 वर्षों से फरार था एवं उसने अपनी पत्नी को उक्त राशि का भुगतान नहीं किया था। थाना जैतहरी पुलिस द्वारा लगातार तलाश करते हुए 22 मार्च को आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनूपपुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अमर वर्मा, उपनिरीक्षक जे.पी.एच. तिर्की, सहायक उपनिरीक्षक जयसिंह एवं आरक्षक क्रमांक 312 मनीष सिंह तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

शारदा टेकरी में नवचंडी महायज्ञ और देवी पुराण का भव्य आयोजन

शहपुरा

नगर के प्रमुख आस्था केंद्र माँ शारदा टेकरी में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। माँ शारदा टेकरी समिति के तत्वावधान में 19 मार्च से 28 मार्च 2026 तक नवचंडी महायज्ञ एवं देवी पुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान श्रद्धालु क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना के साथ शक्ति की आराधना करेंगे।

आयोजन के मुख्य यज्ञाचार्य पं. विवेकराज पौराणिक (पौड़ी वाले) होंगे, जिनके मार्गदर्शन में यज्ञ और कथा का विधिवत संचालन होगा। समिति के अनुसार दस दिवसीय इस महोत्सव में प्रतिदिन विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। 19 मार्च को भव्य शोभायात्रा और विधि-विधान से जवा और ज्योति कलश की स्थापना की गई। 21 मार्च से 26 मार्च तक प्रतिदिन प्रातः हवन-पूजन और दोपहर में देवी पुराण कथा का वाचन होगा। 27 मार्च को महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ विशाल कन्या भोज और भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। 28 मार्च को श्रद्धालुओं की भागीदारी के साथ जवा विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। समिति ने समय सारणी भी घोषित की है। हवन एवं पूजन प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक, देवी पुराण कथा दोपहर 3 बजे से तथा आरती प्रातः 8 बजे, दोपहर 1 बजे और सायंकाल 7:30 बजे संपन्न होगी। रात्रि आरती के पश्चात विशेष प्रसाद के रूप में माता की थाली समस्त श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। माँ शारदा टेकरी समिति ने क्षेत्र के धर्मप्रेमियों और श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर यज्ञ में आहुति देने और देवी पुराण कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। समिति ने दर्शनार्थियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर दी हैं, जिससे आयोजन सुचारू और प्रभावशाली रूप से संपन्न होगा।

नर्मदांचल विद्यापीठ में कंप्यूटर लैब का उद्घाटन, सांसद भारती पारधी ने दी तकनीकी शिक्षा पर जोर

शहपुरा।

नर्मदांचल विद्यापीठ में शनिवार सुबह 11 बजे नवनिर्मित कंप्यूटर लैब का विधिवत उद्घाटन भारती पारधी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सिद्ध बाबा की पूजा-अर्चना से हुई, जिसके पश्चात गौ-पूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान सांसद ने गौ माता को गुड़ एवं चारा खिलाकर परंपरागत रीति-रिवाजों का निर्वहन किया।इसके पश्चात वे विद्यालय परिसर पहुंचीं, जहां उन्होंने नवीन कंप्यूटर लैब का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने लैब प्रभारी से चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ने और कंप्यूटर ज्ञान को व्यावहारिक रूप से विकसित करने पर विशेष जोर दिया।कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य झाम सिंह, स्टाफ सदस्य एवं केंद्र के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उदरी माल में कबीर सत्संग ज्ञान यज्ञ से गूंजा वातावरण

पांच दिवसीय समागम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शहपुरा।

जिले के ग्राम उदरी माल में आयोजित पांच दिवसीय विशाल कबीर संत समागम एवं निर्गुण सत्संग ज्ञान यज्ञ से इन दिनों पूरा क्षेत्र भक्ति और आध्यात्म के रंग में रंगा हुआ है। कबीरपंथी समाज के तत्वावधान में हो रहे इस आयोजन में आसपास के गांवों सहित दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर सत्संग और प्रवचनों का लाभ ले रहे हैं।यह धार्मिक आयोजन 19 मार्च से प्रारंभ होकर 23 मार्च 2026 तक चलेगा।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन संत-महात्माओं द्वारा निर्गुण भजन, प्रवचन एवं सत्संग के माध्यम से श्रद्धालुओं को सदाचार, मानवता और आध्यात्मिक जीवन के महत्व का संदेश दिया जा रहा है। सुबह से लेकर देर शाम तक आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की निरंतर भीड़ बनी हुई है, जिससे ग्राम उदरी माल क्षेत्रीय आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है।आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, बैठक व्यवस्था सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। समापन अवसर पर विशाल भंडारा एवं गुरु दर्शन का विशेष आयोजन रखा गया है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और ग्रामीण भी बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं।

घोडामाड़ा गुफा में उमड़ा आस्था का सैलाब चैत्र नवरात्रि पर दर्शन को पहुंच रहे हजारों श्रद्धालु

शहपुरा। मेंहदवानी विकासखंड के ग्राम पंचायत मनेरी अंतर्गत घने जंगलों के बीच स्थित घोडामाड़ा गुफा इन दिनों चैत्र नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। प्राकृतिक रहस्य और धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी यह गुफा हर वर्ष बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करती है।नवरात्रि शुरू होते ही यहां आस्था का मेला सा लग जाता है। सुबह से लेकर देर शाम तक दर्शन, पूजा-अर्चना और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम लगातार जारी रहता है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आता है।इस वर्ष श्रद्धालुओं द्वारा 151 कलश स्थापित कर रंगीन जवारे बोए गए हैं, जिसने पूरे परिसर को भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंग दिया है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यह प्राकृतिक गुफा लगभग 170 मीटर लंबी-चौड़ी है, जहां का ठंडा और शांत वातावरण श्रद्धालुओं को विशेष आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है।गुफा तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को घने जंगलों से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे धार्मिक यात्रा के साथ प्राकृतिक सौंदर्य और रोमांच का भी अनुभव मिलता है। यही कारण है कि न केवल स्थानीय ग्रामीण बल्कि आसपास के विकासखंडों और अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में भक्त यहां पहुंच रहे हैं।श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क पेयजल प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा सुविधाओं के विस्तार की मांग की है। उनका मानना है कि यदि बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएं, तो यह स्थल भविष्य में एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर सकता है।

विश्व जल दिवस पर विशेष कक्षा, विद्यार्थियों को दिया जल संरक्षण का संदेश

शहपुरा। विश्व जल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को मेहंदवानी में विशेष कक्षा का आयोजन किया गया। कक्षा का मुख्य विषय जल संरक्षण रहा, जिसमें विद्यार्थियों को जल के महत्व और इसके संरक्षण के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।कक्षा में उपस्थित मेंटर ने विद्यार्थियों को बताया कि जल मानव जीवन का मूल आधार है और इसके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने बढ़ते जल संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि समय रहते जल संरक्षण के प्रति जागरूकता नहीं बढ़ाई गई, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

इस दौरान वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग), जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने और दैनिक जीवन में जल की बचत के सरल उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जल संरक्षण विषय पर अपने विचार व्यक्त किए और छोटे-छोटे भाषण प्रस्तुत किए।विद्यार्थियों ने समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लेते हुए कहा कि वे अपने घर और गांव में पानी की बर्बादी रोकने के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे तथा स्वयं भी जल संरक्षण के नियमों का पालन करेंगे। कक्षा का वातावरण शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक रहा।अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से जल संरक्षण का संकल्प लेते हुए "जल है तो कल है" का संदेश दिया। आयोजकों के अनुसार इस प्रकार की कक्षाएं विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ ही सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

चैत्र नवरात्रि में कठौतिया सुड़गांव और मेहंदवानी में गूंज रही देवी भागवत कथा

शहपुरा।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर जिले के कठौतिया सुड़गांव और मेहंदवानी में श्रीमद देवी भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। बीते चार दिनों से निरंतर जारी इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं और पूरा क्षेत्र भक्ति और आस्था के वातावरण से सराबोर हो उठा है।कठौतिया सुड़गांव में मंडला से पधारे सुप्रसिद्ध पौराणिक पंडित अमन पाठक द्वारा कथा का प्रभावशाली वाचन किया जा रहा है। उन्होंने देवी की महिमा विभिन्न चरित्रों और सृष्टि की उत्पत्ति का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। कथा के दौरान ब्रह्मा विष्णु और महेश की उत्पत्ति तथा जगत जननी जगदंबा के प्राकट्य का भावपूर्ण चित्रण प्रस्तुत किया गया। साथ ही राजा परीक्षित की कथा के माध्यम से जीवनोपयोगी संदेश भी दिए गए।कथा के मध्य देवी जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बैंड बाजे और ढोल नगाड़ों की ध्वनि के बीच श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूम उठे और पूरा पंडाल जय माता दी के जयकारों से गूंजता रहा। इसके पश्चात विधिवत आरती पूजन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

आयोजन का प्रमुख आकर्षण सात वर्षीय बालिका नमामि साहू रहीं जिन्हें मां दुर्गा की सजीव झांकी के रूप में प्रस्तुत किया गया। पारंपरिक वेशभूषा और साज सज्जा में सजी इस प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और बड़ी संख्या में लोगों ने भावपूर्वक पूजन अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।वहीं मेहंदवानी स्थित शारदा मंदिर प्रांगण में धनुआसागर से पधारे सुप्रसिद्ध पौराणिक पंडित शुकदेव द्विवेदी शास्त्री द्वारा कथा का मार्मिक वाचन किया जा रहा है। उन्होंने देवी के विभिन्न स्वरूपों अवतारों और दुष्टों के संहार की गाथाओं का विस्तार से वर्णन करते हुए धर्म की स्थापना के महत्व को रेखांकित किया।दोनों स्थानों पर आयोजित इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की लगातार भीड़ बनी हुई है। महिलाएं पुरुष बुजुर्ग और युवा सभी श्रद्धा भाव से कथा श्रवण कर रहे हैं। आयोजकों द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। यह आयोजन क्षेत्र में भक्ति आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का व्यापक संचार कर रहा है।

करौंदी में रामलीला का भव्य आगाज श्रद्धा और संस्कृति का दिखा अद्भुत संगम

शहपुरा। करौंदी ग्राम में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर संस्कार रामलीला मंडली द्वारा भव्य रामलीला का शुभारंभ धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पंच दशनाम जूना अखाड़ा के संत महंत भगतगिरी बच्चू महाराज द्वारा विधिवत मुकुट-किरीट पूजन से हुई जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रियंका आर्मो तथा भाजपा नेता राजेंद्र तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने पूजा-अर्चना कर रामलीला का शुभारंभ किया और कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी सराहना की। इस दौरान विधायक ने मंच से कलाकारों को पुरस्कृत भी किया।रामलीला के प्रथम दिवस 'नारद मोह' एवं 'विश्वमोहिनी स्वयंवर' जैसे प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। करौंदी सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए और देर रात तक रामभक्ति में लीन रहे।इस आयोजन की विशेषता यह है कि इसमें सभी कलाकार स्थानीय गांवों के युवा हैं, जिन्होंने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया। विभिन्न पात्रों की जीवंत प्रस्तुति और मंच संचालन ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रभावशाली बना दिया।

महंत भगतगिरी बच्चू महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन सनातन संस्कृति के संरक्षण और प्रसार का सशक्त माध्यम हैं। रामलीला के माध्यम से भगवान राम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।संस्कार रामलीला समिति के अध्यक्ष टेकेश्वर साहू ने बताया कि इस आयोजन की तैयारी गांव के युवाओं द्वारा कई महीनों से की जा रही थी। कार्यक्रम को सफल बनाने में घनश्याम प्रसाद साहू, हरिप्रसाद महापात्र और धनेश साहू सहित अनेक लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।करौंदी की यह रामलीला न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बन रही है, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर सांस्कृतिक जागरूकता को भी नई दिशा दे रही है। श्रद्धा, कला और समर्पण का यह संगम आने वाले दिनों में और अधिक भव्य रूप लेने की ओर अग्रसर है।

पवित्र नगरी अमरकंटक का सुहाना मौसम पर्यटकों को कर रहा आकर्षित

अमरकंटक। मध्य प्रदेश की पावन धरा पर स्थित मां नर्मदा जी के उद्गम स्थल, पवित्र नगरी अमरकंटक इन दिनों अपने अद्भुत, मनोहारी और शीतल मौसम के कारण मानो प्रकृति के एक जीवंत चित्र के रूप में खिल उठी है। यहां का सुरम्य वातावरण, हरितिमा से आच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं और मंद-मंद बहती ठंडी हवाएं पर्यटकों, तीर्थयात्रियों एवं श्रद्धालुओं को अपनी ओर सम्मोहित कर रही हैं। अमरकंटक की फिजां में इन दिनों एक विशेष प्रकार की ताजगी और आध्यात्मिक शांति का समावेश महसूस किया जा रहा है।

गाड़ासरई माँ कर्मा सेवा समिति का नया गठन सर्वसम्मति से बनाए गए 23 पदाधिकारी, स्थापित होगा माँ कर्मा चौक

गाड़ासरई-गाड़ासरई में माँ कर्मा धर्मशाला में शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई जिसमे सभी समाजजन मौजूद रहे बैठक में सर्वसम्मति से माँ कर्मा समिति का गठन किया गया, जिसमे विजय साहू को अध्यक्ष प्रमोद साहू, सुरेश साहू ,कृष्ण कुमार साहू ,अखलेश साहू ,घनश्याम साहू को उपाध्यक्ष , तुलसीराम को सचिव व नरेश साहू सह सचिव , सुनील साहू कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र साहू सह कोषाध्यक्ष ,बिट्टू साहू, राजेन्द्र गुड्डू साहू व्यवस्थापक , विजय साहू ज्ञानेश्वर साहू महामंत्री, जितेंद्र साहू ,मनोज साहू, सल्लू साहू ,राजू साहू ,विस्सू साहू को मंत्री , सुरेन्द्र साहू पत्रिका मीडिया प्रभारी, प्रवेश साहू सह मीडिया प्रभारी, अजय साहू, विकास साहू मंच संचालक बनाया गया , बैठक में सबसे पहले पूर्व पदाधिकारी कृष्ण कुमार साहू ,मुन्ना भैया का तिलक वन्दन कर फूल माला के साथ शाल भेटकर स्वागत किया गया,जो पिछले कई वर्षो से माँ कर्मा समिति को अपनी सेवा प्रदान कर रहे है, उन्होंने अपने कार्यकाल में सराहनीय कार्य किया, वही कृष्ण कुमार साहू ने कहा कि आजतक जो भी कार्यक्रम समिति द्वारा किए गए है, उनमे ग्राम के सभी लोगों का भरपूर सहयोग मिला, जिसके लिए मैं सभी का आभारी हूँ, और आगे भी माँ कर्मा समिति में पूरा सहयोग करता रहूँगा, कार्यक्रम में सभी नए पदाधिकारियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया और एक दूसरे की मीठा खिलाकर खुशी व्यक्त की वही समिति के द्वारा बताया गया कि जबलपुर अमरकंटक रोड पर राइस मिल के पास माँ कर्मा चौक बनाया जाएगा , जो गाड़ासरई बहुसंख्यक साहू समाज की एक पहचान होगी, साहू समाज की आराध्य माँ कर्मा देवी समिति गाड़ासरई धर्मशाला में हर वर्ष माँ कर्मा जयंती बड़ी भव्यता से मनाई जाती है, और माँ कर्मा धर्मशाला साहू समाज की एक बड़ी पहचान है, इसी धर्मशाला में गाड़ासरई के अधिकांश कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसकी व्यवस्था साहू समाज के द्वारा की जाती है ।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 23 मार्च 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

मकानसूचीकरण हेतु आयोजित होंगे प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला जनगणना अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह प्रशिक्षण जनपद कार्यालय परिसर नरसिंहपुर में स्थित ई-दक्ष केन्द्र में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि तहसील व नगर परिषद गोटेगांव, तहसील व नगर परिषद गाडरवारा, नगर पालिका सालीचौका, नगर परिषद चीचली और तहसील व नगर पालिका तेंदूखेड़ा के लिए 23 मार्च से 25 मार्च तक प्रात 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इसी तरह तहसील व नगर पालिका नरसिंहपुर, तहसील व नगर पालिका करेली और तहसील व नगर पालिका सांईखेड़ा के लिए 30 मार्च से एक अप्रैल 2026 तक प्रात 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

ई-टेंडर द्वारा छठवां चरण का निष्पादन कार्यक्रम जारी

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शासन की वर्ष 2026-27 के लिए आबकारी नीति के अनुसार सर्वसाधारण की जानकारी एवं आबकारी के फुटकर ठेकेदारों की विशेष जानकारी के लिए आबकारी नीति के प्रावधानों के अनुरूप जिले में निष्पादन के पांचवें चरण तक गठित पुनर्गठित 13 समूहों, जिसमें 42 मदिरा दुकानों के निष्पादन उपरांत निष्पादन से शेष रही 12 दुकानों का निष्पादन पुनर्गठित 3 समूहों में छठवें चरण में एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला निष्पादन समिति द्वारा ई-टेंडर (ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन) के माध्यम से कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन नरसिंहपुर में किया जाएगा। जिले की समस्त मदिरा दुकानें कम्पोजिट शॉप होंगी अर्थात मदिरा दुकानों पर देशी एवं विदेशी दोनों प्रकार की मदिरा विक्रय के लिए उपलब्ध रहेगी। किसी भी मदिरा दुकान पर बैठकर मदिरा पीने की सुविधा अनुमति नहीं होगी।

जनाकर्षण का केंद्र बना कंकाली मठ

तेंदूखेड़ा शक्ति की भक्ति साधना का महापर्व चैत्र नवरात्र पूरे क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जा रहा है। जगह जगह जवारे कलश की स्थापना की गई है।सुबह से ही माता रानी को जल अर्पित करने माता रानी के दरबार में पहुंच रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी धार्मिक आयोजनों के चलते संपूर्ण क्षेत्र में धार्मिक वातावरण बना हुआ है। जवारे कलश स्थापना वाले स्थानों पर दोपहर में देवी जस भगतें तथा रात्रि के समय संगीतमय पांच आरतियों में श्रद्धालु झूम-झूम कर माता रानी की आरती गा रहे हैं। वहीं प्रतिष्ठित ग्राम इमझिरा में बनें प्रसिद्ध कंकाली मठ पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एकत्रित हो रही है।रात्रि में भी दूर-दूर से लोगों का आना जाना बना हुआ है, कंकाली मठ पर लगने वाली सोमवार और गुरुवार को विशेष बैठक में अन्य जिलों से भी यहां पर लोगों का आना जाना वर्ष भर बना रहता है, हमारे प्रतिनिधि को जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी रामस्वरूप भारद्वाज ने बताया कि यह मंदिर प्राचीन समय से बना हुआ है इस मंदिर से बहुत से लोगों की आस्था जुडी हुई है लगभग 35 -40 वर्ष से यहां पर सहस्त्र शतचंडी यज्ञ हवन पूजन चल रहा है।यहां पर अभी तक जो भी भक्त अपनी जो मनोकामना लेकर पहुंचे हैं उनके सभी मनो कामनाएं पूर्ण हुआ करती है।प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बहुत से श्रद्धालुओं के द्वारा मंदिर पर जवारे स्थापित कराए गए है। अष्टमी को 56 व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। जवारे विसर्जन के लिए एक विशाल शोभा यात्रा भी नगर भ्रमण होते हुए खेरापति दरबार तक निकाली जाएगी जहां पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का आना जाना रहेगा। कंकाली मठ समिति संरक्षक तेजराम पंडा ने बताया की जवारे विसर्जन के लिए समिति के द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था कंकाली मठ पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही है।

गज्जे भैया की पुण्य स्मृति में होगा कवि सम्मेलन

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा की माटी में पले बढ़े मदनपुर के प्रतिष्ठित खरे परिवार के कवि गज्जे भैया स्मृति मंच के तत्वावधान में मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग एवं मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के सहयोग से देश के प्रसिद्ध बुंदेली हास्य कवि वरिष्ठ साहित्यकार एवं राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त शिक्षक स्व प्रभुदयाल खरे गज्जे भैया की स्मृति में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन 25 मार्च को किया जा रहा है।

जल संरक्षण व स्वच्छता के लिए जनसहभागिता जरूरी: मंत्री श्री पटेल

सिंगरी नदी पुनर्जीवन कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री

> प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता और जल संरक्षण में सहभागी बनना चाहिए।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए नए-नए प्रयोग किए जाने की आवश्यकता है। उक्ताशय के विचार मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल शनिवार को जनपद पंचायत नरसिंहपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मगरधा में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सिंगरी नदी पुनर्जीवन कार्यक्रम में व्यक्त किए। मंत्री श्री पटेल, कलेक्टर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारी- कर्मचारियों व गणमान्य नागरिकों ने सिंगरी नदी के उत्तर एवं दक्षिण तट पर स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए नागरिकों को स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोतों का संरक्षण और स्वच्छता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

नेक कार्य में संकोच नहीं

मंत्री श्री पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों को हमेशा साफ सफाई करना चाहिए उन्हें इस नेक कार्य में संकोच नहीं करना चाहिए और गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य करना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए नागरिकों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया और कहा कि सेवा कार्य स्वयं का संकल्प होता है, इसमें संख्या नहीं बल्कि भावना महत्वपूर्ण होती है। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, रामसनेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, सुनील कोठारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सिंगरी नदी में प्रवाहित हो शुद्ध जल

उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान में अभी इतने लोग जुड़े हैं, लेकिन आने वाले समय में इससे भी अधिक संख्या में नागरिक शामिल होंगे। यदि सब मिलकर काम करेंगे तो स्वच्छता की दिशा में हम आगे बढेंगे। मंत्री श्री पटेल ने सिंगरी नदी के पुनर्जीवन कार्य को निरंतर जारी रखने पर जोर देते हुए कहा कि इसके साथ ही जनजागरूकता भी आवश्यक है। लोगों को नदी में कचरा न डालने के लिए प्रेरित करें और इस दिशा में सतत प्रयास करें। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सिंगरी नदी के पुनर्जीवन का कार्य लंबे समय से जारी है और आगामी विक्रम संवत तक प्रयास रहेगा कि मां नर्मदा का शुद्ध जल सिंगरी नदी में प्रवाहित होता दिखाई दे। उन्होंने सरपंचों से अपील की कि वे सीईओ जिला पंचायत के साथ समन्वय कर इस कार्य योजना को प्राथमिकता दें।

मंत्री श्री पटेल ने ओवरब्रिज, रिंग रोड और सड़क चैड़ीकरण पर की विस्तृत चर्चा

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को सर्किट हाउस नरसिंहपुर में बैठक लेकर प्रस्तावित विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों पर चर्चा की। बैठक के दौरान मंत्री श्री पटेल ने शहर के प्रमुख प्रस्तावित अधोसंरचनात्मक कार्यों पर विशेष ध्यान देते हुए गुलाब चैराहा से प्रारंभ होकर गांधी चैराहा, नगर पालिका चैराहा, सुभाष पार्क चैराहा होते हुए बाहरी रोड से सांकल चैराहा से सुनका चैराहा होते हुए मुशरान पार्क चैराहे तक प्रस्तावित ओवरब्रिज निर्माण, मगरधा आरओबी निर्माण, नरसिंहपुर में रिंग रोड निर्माण पर विस्तृत चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने नरसिंहपुर से कपूरी मार्ग को व्यवस्थित करने, शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने, नरसिंहपुर से जुड़ने वाली सड़कों के चैड़ीकरण एवं दुरुस्तीकरण तथा नरसिंहपुर-सांकल मार्ग के चैड़ीकरण के कार्यों पर चर्चा की। अधिकारियों ने बैठक में बताया कि नरसिंहपुर- देवाकछार मार्ग के चैड़ीकरण को स्वीकृति मिल चुकी है। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, सीएमओ नरसिंहपुर नीलम चैहान, सुनील कोठारी, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, पीडब्ल्यूडी के ईई अरविंद किटहा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अध्यापक संयुक्त मोर्चा ने रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

रविवार को अध्यापक संयुक्त मोर्चा द्वारा शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षक संयुक्त मोर्चा द्वारा विशाल वाहन रैली निकालकर कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से मोर्चा ने शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु शासन से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। मोर्चा द्वारा प्रमुख रूप से टी.ई.टी परीक्षा के मुद्दे पर सरकार से रिव्यू पिटीशन दायर कर शिक्षकों के हित में खड़े होने का अनुरोध किया गया। साथ ही राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग के लोक सेवकों को उनकी नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता प्रदान किए जाने की मांग भी उठाई गई। इसके अतिरिक्त प्रदेश के विद्यालयों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे अतिथि शिक्षक, वोकेशनल शिक्षक, आईटीसी इंस्ट्रक्टर, करियर एवं मेंटल काउंसलर, प्री-प्राइमरी सहायिका तथा आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटर जैसे अस्थायी कर्मियों को नियमित किए जाने की मांग भी ज्ञापन में प्रमुख रूप से शामिल रही। अध्यापक संयुक्त मोर्चा ने शासन से अपेक्षा जताई कि उक्त मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा, जिससे शिक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। उक्त अवसर पर बड़ी संख्या मे शिक्षकों की उपस्थिति रही।

सोना दोगुना करने के चक्कर मे गवां बैठी सोने के जेवरात व नकदी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विगत दिवस नगर के समीपी क्षेत्र में सोना डबल करने के लालच में एक महिला लगभग 8-10 तोला सोने के जेवर और नकदी गंवा बैठी। मामला शहर के छिंदवाड़ा बायपास क्षेत्र का है। घटनाक्रम बीते 14 मार्च का बताया जा रहा है जिसमें पुलिस को महिला की ओर से शिकायती आवेदन 16 मार्च को मिलना बताया गया है। जानकारी के अनुसार रजनी विश्वकर्मा 50 वर्ष अपनी मां के साथ बांसकुंवारी रोड हाइवे के पास रहती हैं। परिवार के अन्य सदस्य बाहर रहते हैं। रजनी का आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले अजय मेहरा उर्फ अज्जू ने उन्हें एक तथाकथित बाबा का मोबाइल नंबर दिया और उनसे संपर्क करवाया। बताया जा रहा है कि बाबा से संपर्क करने पर उस व्यक्ति ने खुद को मुल्ला अजमेर बताया और तंत्र-मंत्र के जरिए सोना दोगुना करने का झांसा दिया। फोन पर उसे झांसे में लेकर उसके सोने के आभूषण, चेन, झुमकी, अंगूठियां, चूड़ियां, हार, पायलों समेत लगभग 8-10 तोला सोना, 60 हजार रुपए नकद और मोबाइल को लाल कपड़े में बांधकर घर के पास खाली प्लॉट में रखने को कहा। साथ ही यह भी कहा कि पीछे मुड़कर न देखें और एक घंटे बाद लौटने पर सामान दोगुना मिलेगा। महिला ने बाबा के निर्देशों का पालन किया। लेकिन जब वह वापस मौके पर पहुंचीं तो पूरी गठरी गायब थी। इसके बाद पीडिघ्ता ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक और स्टेशन गंज थाने में की। इस मामले में स्टेशनगंज थाना प्रभारी सौरभ पटेल के अनुसार मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है। उन्होंने आम नागरिकों से कहा है कि इस प्रकार के किसी भी प्रलोभन या अंधविश्वास में न पड़ें।

शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर शिक्षामंत्री को सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा । सुप्रीम कोर्ट के निर्णयानुसार डीपीआई भोपाल द्वारा जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा टी ई टी संबंधी आदेश से उत्पन्न स्थिति लेकर को प्रांताध्यक्ष जगदीश यादव के निर्देशानुसार राज्य शिक्षक संघ नरसिंहपुर के आह्वान पर रविवार को ग्राम लोलरी में म प्र शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से मुलाकात कर सुप्रीम कोर्ट में मध्यप्रदेश शासन की ओर शिक्षक पात्रता परीक्षा टी ई टी के संबंध रिव्यु पिटीशन दायर किए जाने हेतु मांग की एवं ज्ञापन सौंपकर विस्तृत चर्चा की गई। उक्त अवसर पर शिक्षा मंत्री ने टी ई टी के संबंध में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर किए जाने हेतु आश्वस्त किया। साथ ही कहा कि शिक्षक संगठन भी अपनी ओर से सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर कर अपना पक्ष रखें। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अजीत जाट प्रांतीय कोषाध्यक्ष नगेंद्र त्रिपाठी प्रदेश मीडिया प्रभारी सियाराम पटेल प्रांतीय संगठनमंत्री कोमल सिंह पटेल जिला कार्यकारी अध्यक्ष प्रमेंद्र जाट जिला उपाध्यक्ष विजय शर्मा आशीष नामदेव पुरुषोत्तम बसेड़िया महेश वैष्णव मदन शुक्ला कमलेश शर्मा शमीम कुरैशी जयप्रकाश कोष्ठी सचिन गुप्तसहित सैकड़ों शिक्षक साथी एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस पर सम्पन्न हुई संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विश्व जल दिवस के अवसर पर म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड चीचली के अंतर्गत सेक्टर क्रमांक-2 बसुरिया में नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया द्वारा पंचवटी खेरुआ में जल गोष्ठी, पौधरोपण एवं पंचवटी वृक्ष पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वृक्ष मित्र संस्था के संस्थापक योगेन्द्र सिंह, बागेश्वरी साहित्य परिषद के मुख्तयार, संतोष अग्रवाल, आशीष गोलू राय, राजेश पाल सहित नवांकुर संस्था के सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम के अंतर्गत जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें जल संकट एवं उसके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। योगेन्द्र सिंह ने बताया कि विश्व जल दिवस 2026 की थीम जल और लैंगिक समानता पर आधारित है तथा जल संवर्धन को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। रामकृष्ण राजपूत ने जल है तो कल है का संदेश देते हुए जल संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया। संतोष अग्रवाल ने जल बचाओ अभियान पर गीत प्रस्तुत किया। रीतेश मेहरा ने सभी को जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई। इसके पश्चात उपस्थित जनों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। आभार प्रदर्शन श्री रामेश्वर वर्मा ने व्यक्त किया। इस आयोजन के माध्यम से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के प्रति जनजागरूकता का प्रभावी संदेश दिया गया और सभी ने मिलकर जल बचाने का संकल्प लिया।

पत्रकारिता में सादगी से तीखा प्रहार करने के हुनर से बनाई अलग पहचान

करेली 25 जून 1975...भारत के इतिहास का वो काला दिन जो आज भी देश की शान पर बदनुमा दाग की तरह है. इस दिन पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी (आपातकाल) की घोषणा कर दी थी. आपातकाल से मतलब है लोगों के अधिकार खत्म और सिर्फ अंधा कानून. संविधान का कोई मतलब ही नहीं रह गया था. जो भी इसके खिलाफ आवाज उठाता उसे जेल में ठूंस दिया जाता था. जब देश भर की जेलें राजनैतिक कैदियों से भर गई तो सरकारी इमारतों को अस्थाई जेल बनाकर आपातकाल के विरोधियों को उसमें रखा गया. इस सबके बीच सुकून की सिर्फ एक वजह, एक आस थी...वो थे देश के युवा. जिन्होंने ठान लिया था कि इस तानाशाही के आगे नहीं झुकेंगे. उन्होंने जान की बाजी लगाकर आपातकाल का विरोध किया. फिर चाहे वो गांव हो या शहर हर जगह एक ही नारा था इस देश के लोकतंत्र को बचाना है, यहां के संविधान को बचाना है. देश के दिल से उठी विरोध की आवाज... देश के दिल मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के छोटे से कस्बे करेली के युवा भी इससे इतर नहीं थे. उन्होंने भी जैसे ही आपातकाल की घोषणा सुनी, इसके विरोध में नगर के मुख्य मार्ग पर जुलूस निकाला. जमकर नारेबाजी की, जिनमें से कई नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. इससे आंदोलनकारियों को यह समझ आया कि ये लड़ाई लंबी चलने वाली है. तब उन्होंने भी इसके लिए कमर कस ली. जबकि उस समय कांग्रेस के खिलाफ एक शब्द बोलना भी बहुत मुश्किल होता था. लोग डरते थे. नारे लिखने पर भेजा गया जेल इन युवाओं में 22 साल के युवा पत्रकार सतीश जैन भी शामिल थे. वे अपने 2 अन्य साथियों विजय सोनी और रशीद कुरैशी के साथ रात में नगर के प्रमुख स्थलों और पुलिस थाने की दीवारों पर आपातकाल के विरोध में नारे लिखा करते थे, ताकि लोगों को लोकतंत्र की रक्षा के लिए जागरुक कर सकें. लेकिन कांग्रेस को यह रास नहीं आया. एक सुबह कांग्रेस के नेताओं ने

युवा पत्रकार सतीश जैन को पुलिस से गिरफ्तार करवाकर जेल भेज दिया. इसके बाद वे कई महीनों तक जेल में रहे. लेकिन कांग्रेस की तानाशाही के आगे सिर नहीं झुकाया. पूरे देश में कड़े विरोध के बाद आखिरकार इंदिरा गांधी को इमरजेंसी हटानी पड़ी. पत्रकारिता के क्षेत्र में बने मिसाल जेल से आने के बाद युवा पत्रकार सतीश जैन ने सामाजिक कार्यों को अपने जीवन का मकसद बना लिया. एक ओर वे अपनी लेखनी के जरिए युगधर्म, सवदेश, नवभारत, दैनिक भास्कर, देशबंधु जैसे कई अखबारों में नगर से जुड़े मुद्दे उठाते रहे. ईमानदारी और बड़ी मेहनत से उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में जिले में अपनी अलग पहचान बनाई. तहसील पत्रकार संघ के अध्यक्ष रहकर जिले के पत्रकारों को भी नई दिशा दी. कई पत्रकार सम्मेलन और साहित्य सम्मेलनों में हिस्सा लिया और आयोजन में सहयोग किया. सामाजिक कार्यों में भी सक्रियता सतीश जैन ने पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी पूरी सक्रियता से योगदान दिया. नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था नव जागृति मंडल के सदस्य बने और सरस्वती शिशु मंदिर के संचालन में उल्लेखनीय भूमिका निभाई. इस दौरान वे अपनी कलम के जरिए विभिन्न अखबारों में नगरवासियों की सुविधाओं के लिए सरकार से मांग उठाते रहे, साथ ही विभिन्न आंदोलनों और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहे. धार्मिक आयोजन जैसे गणेश उत्सव हो या नगर के युवाओं की शिक्षा के लिए सुभाष वाचनालय की शुरुआत करना और उसका सुव्यवस्थित संचालन करना. या फिर नगर में अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 20 बिस्तर के अस्पताल की मांग को लेकर धरना देना, मेल ट्रेन के करेली स्टॉपेज के लिए रेल रोको आंदोलन करना, घरेलू गैस की सुचारू आपूर्ति के लिए आंदोलन करना... सभी में पत्रकार सतीश जैन ने सक्रियता से भूमिका निभाई. यही वजह है कि बीते करीब 40 सालों की पत्रकारिता की लंबी यात्रा में उन्होंने ना केवल करेली नगर बल्कि पूरे नरसिंहपुर जिले में अपनी अमिट छाप छोड़ी. कई सामाजिक संस्थाओं ने उन्हें इन कार्यों के लिए कई बार सम्मानित किया. मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी आपातकाल के दौरान जेल में बंद रहे लोगों को लोकतंत्र सेनानी का दर्जा देकर सम्मानित किया, जिसमें सतीश जैन भी शामिल हैं. आज उनकी पत्रकारिता की विरासत को उनकी बेटी श्रद्धा जैन आगे बढ़ा रही है. जिसने देश के कई प्रतिष्ठित अखबारों और टीवी चैनल के लिए रिपोर्टिंग की. वर्तमान में श्रद्धा जैन देश के टॉप न्यूज चैनल जी न्यूज में असिस्टेंट न्यूज एडिटर के पद पर कार्यरत हैं